विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

वर्ग-दशम्

विषय-हिन्दी

|| अनुच्छेद-लेखन ||

||अध्ययन-सामग्री ||

अनुच्छेद लेखन किसी विषय का संक्षेप किन्तु स्पष्ट वर्णन करना अनुच्छेद लेखन कहलाता है। अनुच्छेद में एक ही विषय को संक्षिप्त रूप में लिखा जाता है। विषय से परे अनुच्छेद में कुछ भी नहीं लिखा जाता है।

अनुच्छेद अपने आप में एक स्वतन्त्र और पूर्ण रचना है। इसे निबंध का छोटा रूप मान सकते हैं या इसे लघु निबंध भी कहा जा सकता है। अंग्रेजी में इसे Paragraph Writing कहा जाता है।

दूसरे शब्दों में किसी विषय या दृश्य या घटना पर अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए लिखे गये सम्बद्ध और छोटे-छोटे वाक्यों के समूह को अनुच्छेद-लेखन कहते हैं।

अनुच्छेद लेखन में विषय से संबंधित चीजों का वर्णन बिलकुल सटीक , संतुलित तथा पूर्ण होना चाहिए। अनुच्छेद लेखन में विषय को अनावश्यक विस्तार नही देना चाहिए। अनुच्छेद लेखन में विषय से संबंधित व विषय के सकारात्मक पक्ष को ही लिखना चाहिए। इसमें सभी वाक्य एक-दूसरे से जुड़े होने चाहिए ।

अनुच्छेद लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

अनुच्छेद लेखन में संकेत-बिंदु या रूपरेखा अवश्य बनानी चाहिए।

विषय से बाहर कुछ भी नहीं लिखना चाहिए।

अनुच्छेद लेखन में अनावश्यक विस्तार से बचें।

संकेत बिंदुों को ध्यान में रख कर ही लिखना चाहिए।

अनुच्छेद लिखने की भाषा शैली सरल , सहज , सजीव , प्रभावशाली व पठनीय होनी चाहिए।

छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग बहुत अच्छा होता है।

विराम चिन्ह , कोमा आदि का ध्यान रखना चाहिए।

शब्द सीमा 100 से 120 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

अनुच्छेद में विषय के किसी एक ही पक्ष का वर्णन करें।

अनुच्छेद-लेखन में विषय से संबंधित विचारों को क्रमवार तरीके से रखा जाता है। ताकि उसे पूर्णता दी जा सके। विषय से हट कर किसी भी बात का उल्लेख नहीं करना चाहिए।

अनुच्छेद लेखन में मुख्य विचार अन्त में अवश्य लिखा जाता है।

अनुच्छेद लेखन में कहावतें , मुहावरों , सूक्ति , कवितायें आदि का प्रयोग भी किया जा सकता है।

कुछ अंग्रेजी शब्दों जैसे इंटरनेट , टेलीविजन , कंप्यूटर , फोन आदि का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

अनुच्छेद लेखन के उदाहरण उदाहरण 1.

स्कूल में वार्षिकोत्सव

रुपरेखा -

हर्षोल्लास का विषय , वार्षिकोत्सव की तैयारियां , छात्रों को प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर।

यूं तो हर स्कूल में समय-समय पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। लेकिन वार्षिकोत्सव का इंतजार तो शायद हर बच्चे को रहता है। विद्यालय में वार्षिकोत्सव सभी विद्यार्थियों के लिए बहुत ही हर्षोल्लास का दिन होता है।

वार्षिकोत्सव का दिन लगभग सभी स्कूलों में निश्चित रहता है। और सभी स्कूलों में वार्षिकोत्सव को बड़े ही धूमधाम व भव्य तरीके से मनाया जाता है। इसकी तैयारियां काफी पहले से शुरू हो जाती हैं। शिक्षक और छात्र -छात्राएं इस आयोजन को सफल बनाने में जुट जाते हैं। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाती है।

इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों , प्रदर्शनी , खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियां भी की जाती हैं। वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि सहित सभी मेहमानों को निमंत्रण भेजे जाते हैं। प्रतिभावान छात्रों को इस दिन पुरस्कृत भी किया जाता है। वार्षिकोत्सव जैसे कार्यक्रम छात्रों के प्रतिभा के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होते है।

गृहकार्य .

यदि परीक्षा ना होती तो। ......(इस टॉपिक पर अनुच्छेद लिखें)

संकेत बिंदु (इस संकेत-बिंदु के आधार पर अनुच्छेद लिखें)

परीक्षाएं ना होने पर आनंद ही आनंद ,
परीक्षा विद्यार्थियों के ज्ञान की सूचक नहीं ,
अभिभावकों को राहत , परीक्षा से बचना असंभव।